

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

June, 2011

**MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL
DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Attempt all the five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to questions nos. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*
-

1. What do you mean by Land Reforms ? Discuss, 20
in brief, the contributions of land reforms in rural
development.

OR

- Critically examine the philosophy, the concept 20
and the working of Bhoodan and Gramdan
movements in India.

2. Describe the concept of 'Land Revenue' and 'Land 20
Revenue Administration' in ancient India.

OR

- Describe major initiatives related to land reforms 20
in Sri Lanka.

3. Answer *any two* of the following in about **400** words each :
- (a) Discuss the role of Panchayati Raj Institutions in development with special emphasis on Land Reforms. 10
 - (b) Critically examine the issues behind Land Satyagraha launched in Chhattisgarh. 10
 - (c) Describe important features of Land for Tiller's Freedom in Tamil Nadu. 10
4. Write notes on *any four* of the following in about **200** words each :
- (a) Indian National Congress and quest for land reforms. 5
 - (b) Important features of Munro settlement. 5
 - (c) Pabna movement. 5
 - (d) Distribution of surplus land after ceiling. 5
 - (e) Comprehensive Agrarian Reform Programme in Philippines. 5
 - (f) Land tenure system during the Mauryan period. 5
5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :
- (a) Indigo Movement (1859-60) 4
 - (b) Deccan Riots (1874-75) 4
 - (c) Computerization of Land Records 4
 - (d) Land Reform Legislations of Madhya Pradesh 4
 - (e) Zabti system of Taxation 4
 - (f) Major objectives of Bhu-Adhikar Abhiyan 4
 - (g) Sanyasi Revolt 4
 - (h) Dominant castes. 4

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. भूमि सुधार से आप क्या समझते हैं? ग्राम विकास में भूमि सुधार के योगदान की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भारत में भूदान और ग्रामदान आंदोलनों के दर्शन, अवधारणा और कार्य-संचालन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। 20

2. प्राचीन भारत में 'भू-राजस्व' और 'भू-राजस्व प्रशासन' की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

श्रीलंका में भूमि सुधारों से संबंधित प्रमुख पहलों का उल्लेख कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के उत्तर (प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में) दीजिए :
- (a) भूमि सुधारों पर विशेष बल देते हुए विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
- (b) छत्तीसगढ़ में आरंभ हुए भूमि सत्याग्रह के मुद्दों की आलोचनात्मक जांच कीजिए। 10
- (c) तमिलनाडु में 'लैंड फॉर टिलर्स फ्रीडम' की महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) लिखिए :
- (a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भूमि सुधारों की लंबी तलाश 5
- (b) मुनरो बंदोबस्त की महत्वपूर्ण विशेषताएं 5
- (c) पाबना आंदोलन 5
- (d) अधिकतम सीमा के पश्चात अधिशेष भूमि का वितरण 5
- (e) फिलीपीन्स में व्यापक कृषि सुधार कार्यक्रम 5
- (f) मौर्य काल के दौरान भूधृति प्रणाली 5
5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए :
- (a) नील आंदोलन (1859-60) 4
- (b) दक्कन के दंगे (1874-75) 4
- (c) भू-अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण 4
- (d) मध्यप्रदेश के भूमि सुधार विधान 4
- (e) कराधान की जब्ती प्रणाली 4
- (f) भू-अधिकार अभियान के प्रमुख उद्देश्य 4
- (g) संन्यासी विद्रोह 4
- (h) प्रमुख संपन्न जातियां 4